24 / 01 / 78 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

निरंतर सेवाधारी होने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा बाबा के गले का हार हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा मस्तक के बीच चमकती हुई मणि हूँ

→ देह में रहते देह ओर देह के सर्व संबंधियों से मैं आत्मा भिन्न हूँ, न्यारी हूँ

■ मुझ आत्मा की चमक भी न्यारी ओर प्यारी है

➳ _ ➳ मैं आत्मा मेरे बाबा के गले का हार हूँ

→ मुझ आत्मा के मुख में, नयनों में, बुद्धि में बाप ही समाया हुआ है

■ मुझ आत्मा ने बाबा को ही अपने गले का हार बनाया हुआ है

➢➢ मैं आत्मा निरन्तर सेवाधारी हूँ

➳ _ ➳ मैं फरिश्ता सूक्ष्म वतन में हूँ

→ प्यारे मीठे शिव बाबा भी ब्रह्मा तन में अवतरित होते है

→ उनकी दुआओ भरी दृष्टि मुझ आत्मा को मिल रही है

■ बापदादा का वरदानी हाथ मुझ आत्मा के सिर पर है

➳ _ ➳ और उन्होंने मुझ आत्मा को

→ निरन्तर योगी भवः

→ निरन्तर सेवाधारी भवः

■ के वरदान से मुझ आत्मा की बुद्धि रुपी झोली भर रहे है

➳ _ ➳ मैं आत्मा तो अब सोते हुए भी सेवा ही करती हूँ

→ सोते हुए भी अगर कोई मुझ आत्मा को देखे तो

■ मुझ आत्मा के चेहरे से शान्ति, आनन्द के वायब्रेशन अनुभव होते है

➳ _ ➳ अब तो मुझ आत्मा के हर संकल्प में हर कर्म में सदा सर्विस समाई हुई है

→ बाप ओर सेवा उसके अलावा मुझ आत्मा को दूसरा कोई संकल्प भी नई आता है

■ मैं आत्मा निरन्तर सेवाधारी हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा को मेरा बाबा अति प्यारा लगता है

➳ _ ➳ बाबा के बिना जैसे मेरा जीवन कुछ भी नहीं है

➳ _ ➳ ऐसे ही सेवा के बिना जीवन कुछ नहीं अब ऐसा मुझ आत्मा को अनुभव हो रहा है

→ मैं आत्मा निरन्तर योगी हूँ

→ मैं आत्मा निरन्तर सेवाधारी हूँ

➳ _ ➳ सर्व कर्मेन्द्रियों द्वारा मैं आत्मा बाप की याद की स्मृति दिलाने की सेवा कर रही हूँ

→ मैं आत्मा अपने हर संकल्प द्वारा विश्व कल्याण

■ और लाइट हाउस बनने का कर्तव्य कर रही हूँ

➳ _ ➳ हर सेकेण्ड की पावरफुल वृत्ति द्वारा चारों ओर पावरफुल वायब्रेशन फैला रही हूँ

→ और वायुमंडल को परिवर्तित कर रही हूँ

→ मैं आत्मा अपने हर कर्म द्वारा हर आत्मा को कर्मयोगी भवः का वरदान दे रही हूँ

■ हर कदम में स्वयं प्रति पद्मों की कमाई जमा करती हूँ

➳ _ ➳ अब मैं आत्मा अपना

→ हर संकल्प

→ समय

→ वृति

→ हर कर्म

■ यह चारो ही सेवा के प्रति लगा रही हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा निरन्तर सेवाधारी हूँ

→ मैं आत्मा सर्विसएबुल हूँ

- अब मुझ आत्मा को तो यही धुन लगी हुई है कि
- कैसे बाबा को प्रत्यक्ष करु??
- कैसे जन जन तक बाबा का संदेश पहुँचाऊ??
- अब मैं आत्मा इसी बेहद की सेवा में अपना तन मन धन लगा रही हूँ